

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 224] No. 224] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 12, 2014/भाद्र 21, 1936

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 12, 2014/BHADRA 21, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 2014

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित अलबेंडाजोल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत

फा. संख्या 14/31/2013-डीजीएडी. —मैसर्स सीक्वेंट साइंटिफिक लिमिटेड (जिसे आगे याचिकाकर्ता या आवेदक भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित अलबेंडाजोल (जिसे आगे संबद्ध वस्तु और विचाराधीन उत्पाद भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने और उन पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

विचाराधीन उत्पाद

- 2. संबद्ध जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद "अलबेंडाजोल" है। संबद्ध वस्तु का विनिर्माण तीन प्रकार के फार्माकोपिया के अनुसार किया जाता है अर्थातु:—
- 1. अमेरिकी फार्माकोपिया (यूएसपी)

3625 GI/2014 (1)

- 2. यूरोपीय फार्माकोपिया (ईपी)
- 3. भारतीय फार्माकोपिया (आईपी)

अलबेंडाजोल एक व्यापक स्पैक्ट्रम की औषधि है जिसमें एंथेलिमंटिक (कीटाणुनाशी) होता है, जिसका प्रयोग मानव तथा पशुओं (पशु चिकित्सा) में होता है। अलबेंडाजोल का रासायिनक नाम मिथाइल (5-प्रोपीसल्फानाईल-3एच-बेंजोइमिडाजोल-2-वाईल) अमिनोफार्मेट है परंतु व्यापारिक शब्दावली में इसे भिन्न-भिन्न नामों से भी जाना जाता है जैसे अल्बेंजा, वलबेजन(आर), जेंटेल और अंडाजोल। इसका अणु सूत्र सी12एच15एन3ओ2एस है।

3. संबद्ध वस्तुओं को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत टैरिफ शीर्ष 29 33 2950 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात 23 09 9090, 29 33 1100, 29 33 2990, 29 33 5990, 29 33 9090, 29 41 9090 आदि जैसे अन्य शीर्षों के अंतर्गत भी किया जा रहा है। यह स्पष्ट किया गया है कि एचएस कोड केवल सांकेतिक है और उत्पाद का विवरण सभी परिस्थितियों में लागू होगा।

समान वस्तु

4. याचिकाकर्ता ने बताया है कि अलबेंडाजोल जिसका चीन से भारत में निर्यात किया गया है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित अलबेंडाजोल चीन जन.गण. से आयातित वस्तु से अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं जैसे भौतिक और रासायनिक विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रियाएं और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन आदि की दृष्टि से तुलनीय है। उपभोक्ता इन दोनों का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर कर सकते हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए इन्हें नियमावली के अंतर्गत "समान वस्तुएं" माना जाना चाहिए। अत: वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देश से आयात की जा रही संबद्ध वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

5. यह आवेदन मैसर्स सीक्वेंट साइंटिफिक लिमिटेड द्वारा विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उद्योग के रूप में दायर किया गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार वे भारत में संबद्ध वस्तु के प्रमुख विनिर्माता हैं। याचिकाकर्ता द्वारा यह भी दावा किया गया है कि अन्य उत्पादक मैसर्स के.ए. मल्ले फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने याचिका का समर्थन किया है और इस संबंध में एक पत्र प्रस्तुत किया है। याचिकाकर्ता ने प्रमाणित किया है कि याचिकाकर्ता या उसके किसी भी संबंधित पक्षकार द्वारा संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं किया गया है। चूंकि याचिकाकर्ता का उत्पादन भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल उत्पादन का "एक प्रमुख हिस्सा" बनता है इसलिए याचिकाकर्ता नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग की स्थिति को पूरा करता है और घरेलू उद्योग है।

शामिल देश

6. वर्तमान जांच चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद के कथित पाटन से संबंधित है।

सामान्य मूल्य

7. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और उन्होंने नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मान्यता के मद्देनज़र और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा इसके खंडन के अधीन चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार आंका गया है। आवेदक ने भारत में उत्पादन लागत जिसे बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों तथा तर्कसंगत लाभ के साथ विधिवत् रूप से समायोजित किया गया है के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।

निर्यात कीमत

8. आवेदक ने आईबीआईएस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की है। कीमत समायोजनों का दावा कमीशन, समुद्री भाड़ा, पत्तन व्यय, अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री बीमा, वेट अंतर और बैंक प्रभारों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

पाटन मार्जिन

9. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है जिससे संबद्ध देश के संबंध में भारी पाटन मार्जिन का पता चलता है। इस बात के पर्याप्त प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथमदृष्ट्या पता चलता है कि संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाज़ार में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

क्षति और कारणात्मक संबंध

- 10. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है। क्षति अविध के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है और संबद्ध आयात समग्र रूप से बढ़े हैं। आयातों के कारण घरेलू कीमतों में कटौती हुई है। आयातों ने क्षति अविध के दौरान घरेलू कीमतों को कम/न्यून किया है। घरेलू उद्योग पर आयातों के परिणामी प्रभावों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभों जैसे मापदंडों के संबंध में विकृति आई है। घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा, नकद घाटा और निवेशकों पर ऋणात्मक आय का सामना कर पड़ रहा है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति के ऐसे पर्याप्त प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य हैं जो पाटनरोधी जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराते हैं।
- 11. और यत: प्राधिकारी प्रथमदृष्ट्या पाते हैं कि संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षित और कथित पाटन क्षित के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी के ऐसे पर्याप्त साक्ष्य हैं जो पाटनरोधी जांच की शुरुआत को उचित ठहराते हैं, इसलिए प्राधिकारी एतद्द्वारा नियमावली के पैरा 5 के अनुसार कथित पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षित की जांच आरंभ करते हैं तािक कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और ऐसे पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षित को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

जांच अवधि

12. जांच की अविध (पीओआई) 1 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014 तक की है। तथापि क्षित विश्लेषण के प्रयोजनार्थ पिछले तीन वर्षों अर्थात् अप्रैल 2010 से मार्च 2011, अप्रैल 2011 से मार्च 2012, अप्रैल 2012 से मार्च 2013 और जांच अविध के आंकड़ों पर विचार किया गया है।

सूचना प्रस्तुत करना

13. संबद्ध देश में निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावासों के जिए उनकी सरकार, उत्पाद से संबंधित समझे जाने वाले भारत में ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने और निम्नलिखित पते पर प्राधिकारी को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है:—

निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय वाणिज्य विभाग जीवन तारा बिल्डिंग, चौथा तल, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 14. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत सूचना संबंधी कोई अनुरोध नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित ढंग और पद्धित से प्रस्तुत कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार को अन्य पक्षकारों को उसका अगोपनीय अंश उपलब्ध कराना अपेक्षित है।

समय-सीमा

- 15. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई हेतु कोई अनुरोध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनांक (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।
- 16. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्द्वारा सलाह दी जाती है कि वे इस समीक्षा जांच की शुरूआत की तारीख से 40 दिनों के भीतर वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना दें और प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपाय जारी रखने की जरूरत अथवा अन्यथा के बारे में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करें।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

- 17. यदि प्रश्नावली के उत्तर सिहत प्राधिकारी के समक्ष कोई अनुरोध (उससे संलग्न परिशिष्ट/अनुबंध सिहत) प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों के लिए उसके किसी भाग के संबंध में "गोपनीयता" का दावा करने के मामले में दो अलग-अलग सैट प्रस्तुत करने होंगे:-
- (क) गोपनीय रूप से अंकित एक सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि); और
- (ख) अगोपनीय रूप में अंतिम दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। ।
- 18. "गोपनीय" या "अगोपनीय" अनुरोधों पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए। ऐसे अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमित देने के लिए स्वतंत्र होंगे। दोनों अंशों की साफ्ट कॉपियां जिनके साथ प्रत्येक की हार्ड कॉपी दो (2) सैट को प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।
- 19. गोपनीय अंश में ऐसी समस्त सूचना होगी जो स्वभाविक रूप से गोपनीय है और/अथवा ऐसी अन्य सूचना जिसके ऐसी सूचना के प्रदाता द्वारा गोपनीय होने का दावा किया गया है। स्वभाविक रूप से गोपनीय होने का दावा की गई सूचना या अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा की गई सूचना के संबंध में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है।
- 20. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, 22. अगोपनीय रूपांतर को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है पर निर्भर रहते हुए अधिमानत: सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई (यदि सूचीबद्ध करना व्यवहार्य न हो) और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है; तो प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों सभव नहीं है।
- 21. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते है। प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त

सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

- 22. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी रिकॉर्ड में नहीं ले सकते हैं।
- 23. संतुष्ट होने और प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत को स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार का उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

24. नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

असहयोग

25. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्याधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे.के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi the 11th September, 2014

Subject: Initiation of Anti Dumping Investigation concerning imports of Albendazole originating in or exported from China PR.

F.No.14/31/2013-DGAD.—M/s Sequent Scientific Ltd, (hereinafter also referred to as the Petitioner or applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for initiation of anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty on the imports of Albendazole (hereinafter also referred to as the subject goods or PUC), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country).

Product under consideration

- 2. The product under consideration for the purpose of subject investigation is 'Albendazole'. The subject goods are manufactured according to three types of Pharmacopeia namely:
 - 1. Unites States Pharmacopeia (USP)
 - 2. European Pharmacopeia (EP)
 - 3. Indian Pharmacopeia (IP)

Albendazole is a broad spectrum drug containing anthelmintic (dewormer), used in human as well as animal (Veterinary) applications. The chemical name of Albendazole is methyl (5-propylsulfanyl-3H-benzoimidazol-2-yl) aminoformate but

in trade parlance it is also known by different trade names such as Albenza, Valbazen®, Eskazole, Zentel and Andazol. Its molecular formula is C12H15N3O2S.

3. The subject goods are classified under Chapter 29 of the Custom Tariff Act, 1975 under Tariff heading 29 33 2950. It has been claimed by the petitioner that subject goods are also being imported under other headings such as 23 09 9090, 29 33 1100, 29 33 2990, 29 33 5990, 29 33 9090, 29 41 9090 etc. It is clarified that the HS codes are only indicative and the product description shall prevail in all circumstances.

Like Article

4. The petitioner has submitted that Albendazole, which is exported from China PR into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. Albendazole produced by the domestic industry and imported from China PR is comparable in terms of essential product characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing etc. Consumers can use and are using the two interchangeably. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicant in India are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject country.

Domestic Industry & Standing

5. The Application has been filed by M/s Sequent Scientific Ltd., as domestic industry of the product under consideration. According to the Petitioner, they manufacture a major portion of the subject goods in India. The only other producer M/s K A Malle Pharmaceuticals Ltd. has supported the petition and submitted a letter to that effect. The petitioner has certified that there are no imports of the product under consideration by the petitioner or any of its related party from the subject countries. Since the production of the petitioner accounts for "a major proportion" in the total production of the product under consideration in India, the petitioner satisfies the standing and constitutes Domestic Industry within the meaning of the Rules.

Countries involved

6. The present investigation is in respect of alleged dumping of the product under consideration from China PR.

Normal Value

7. The petitioner has claimed that China PR should be treated as a non-market economy and has determined normal value in accordance with Para 7 and 8 of Annexure I of the Rules. In view of the non-market economy presumption and subject to rebuttal of the same by the responding exporters, normal value of the subject goods in China PR has been estimated in terms of Para 7 of Annexure I to the Rules. The applicant has determined the normal value based on cost of production in India, duly adjusted with selling, general and administrative expenses and reasonable profit.

Export Price

8. The applicant has determined the export price on the basis of data published by IBIS. Price adjustments have been claimed on account of commission, ocean freight, port expenses, inland freight, marine insurance, VAT adjustment and bank charges.

Dumping Margin

9. The normal value and the export price have been compared at ex-factory level, which show significant dumping margin in respect of the subject country. There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the ex-factory export price, indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped into the Indian market by the exporters from the subject country.

Injury and Causal Link

10. The applicant has claimed that domestic industry has suffered material injury from dumped imports. The demand for the product under consideration has increased over the injury period and subject imports have increased in absolute terms. The imports are undercutting the domestic prices. The imports have suppressed/depressed the domestic prices over the injury period. With regard to consequent impact of the imports on the domestic industry, it is noted that performance of the domestic industry has deteriorated in respect of parameters such as profits; return on capital employed and cash

profits. The domestic industry is suffering significant financial losses, cash losses and negative return on investments. There is sufficient *prima facie* evidence of injury to the domestic industry caused by dumped imports from subject country to justify initiation of an anti-dumping investigation.

11. And whereas, the Authority *prima facie* finds that sufficient evidence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject country; injury to the domestic industry and causal link between the alleged dumping and injury exist to justify initiation of an anti-dumping investigation, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of Para 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied, would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.

Period of Investigation (POI)

12. The period of investigation (POI) is from 1st April, 2013 to 31st March, 2014. However, for the purpose of analyzing injury, the data of previous three years, i.e., Apr'10-Mar'11, Apr'11-Mar'12, Apr'12-Mar'13 and the period of investigation has been considered

Submission of Information

13. The exporters in the subject country, their Government through their Embassy in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

The Designated Authority

Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties

Department of Commerce,

Jeevan Tara Building, 4th Floor,

5, Parliament Street,

New Delhi -110001

14. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

Time Limit

- 15. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the AD Rules.
- 16. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application within forty days (40 days) from the date of publication of this Notification. The information must be submitted in hard copies as well as soft copies.

Submission of information on confidential basis

- 17. The parties making any submission (including Appendices/Annexure attached thereto), before the authority including questionnaire response, are required to file the same in two separate sets, in case "confidentiality" is claimed on any part thereof:-
 - (a) one set marked as Confidential (with title, number of pages, index, etc.), and
 - (b) the other set marked as Non-Confidential (with title, number of pages, index, etc.).
- 18. The "confidential" or "non-confidential" submissions must be clearly marked as "confidential" or "non-confidential" at the top of each page. Any submission made without such marking shall be treated as non-confidential by the Authority and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect such submissions. Soft copies of both the versions will also be required to be submitted, along with the hard copies, in two (2) sets of each.

- 19. The confidential version shall contain all information which are by nature confidential and/or other information which the supplier of such information claims as confidential. The information which is claimed to be confidential by nature or the information on which confidentiality is claimed because of other reasons, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information can not be disclosed.
- 20. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (in case indexation is not feasible) and summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons why summarization is not possible, must be provided to the satisfaction of the Authority.
- 21. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
- 22. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
- 23. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of Public File

24. In terms of Rule 6(7) of the AD Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

Non-cooperation

25. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. K. DADOO, Designated Authority